

STARÝ ZÁKON

Mé srdce jásosem
oslavuje Hospodina,
můj roh zvedá dík
Hospodinu.
Má ústa se otevřela
proti nepřátelům,
raduji se ze tvé spásy.

(1S 2,1)

15


Četba Starého zákona

15 18. 05. - 21. 06. 2015

- 18. 05. po 1S 1
- 19. 05. út 1S 2
- 20. 05. st 1S 3
- 21. 05. čt 1S 4
- 22. 05. pá 1S 5
- 23. 05. so 1S 6
- 24. 05. ne
- 25. 05. po 1S 7
- 26. 05. út 1S 8
- 27. 05. st 1S 9
- 28. 05. čt 1S 10
- 29. 05. pá 1S 11
- 30. 05. so 1S 12
- 31. 05. ne
- 01. 06. po 1S 13
- 02. 06. út 1S 14
- 03. 06. st 1S 15
- 04. 06. čt 1S 16
- 05. 06. pá 1S 17
- 06. 06. so 1S 18
- 07. 06. ne
- 08. 06. po 1S 19
- 09. 06. út 1S 20
- 10. 06. st 1S 21
- 11. 06. čt 1S 22
- 12. 06. pá 1S 23
- 13. 06. so 1S 24
- 14. 06. ne
- 15. 06. po 1S 25
- 16. 06. út 1S 26
- 17. 06. st 1S 27
- 18. 06. čt 1S 28
- 19. 06. pá 1S 29
- 20. 06. so 1S 30-31
- 21. 06. ne